भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2187

दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

व्यापार को बढ़ावा देने के लिए ''ब्रिक्स'' राष्ट्रों द्वारा संधियों पर हस्ताक्षर करना

2187. **श्रीमती मोहसिना किदवईः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाल ही में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) राष्ट्रों ने अपनी अपनी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को गति देने के लिए संधियों पर हस्ताक्षर किए हैं तथा एक विकास बैंक की स्थापना के लिए एक संयुक्त कार्य समूह पर सहमत हो गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आगामी वर्षों में ''ब्रिक्स'' राष्ट्रों के बीच व्यापार में सुधार आयेगा; और

(घ) यदि हां, तो किस सीमा तक तथा इन संधियों पर आयातकों–निर्यातकों की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) और (ख) : जी, हाँ । नई दिल्ली में दिनांक 29 मार्च 2012 को आयोजित चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स विकास बैंकों द्वारा दो करारों अर्थात (i) स्थानीय मुद्राओं में ऋण सुविधा प्रदान करने संबंधी मास्टर करार और (ii) ब्रिक्स बहुपक्षीय ऋण पत्र पुष्टि सुविधा करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं । इसमें भागीदार पाँच बैंक हैं - बैंको नैसियोनल डी डेसेनवॉल्विमिएन्टो इकॉनॉमिको इ सोशल - बीएनडीईएस, ब्राजील, स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक फॉर डेवलपमेंट एंड फॉरेन इकोनॉमिक अफेयर्स - नेशेकोनोम बैंक ऑफ रशिया; एक्सपोर्ट - इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया; चाइना डेवलपमेंट बैंक कॉर्पोरेशन और डेवलपमेंट बैंक ऑफ सदर्न अफ्रीका ।

स्थानीय मुद्राओं में ऋण सुविधा प्रदान करने संबंधी मास्टर करार का उद्देश्य राष्ट्रीय मुद्राओं का प्रयोग करते हुए सदस्य देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सौदों को सुगम बनाना है । ब्रिक्स बहुपक्षीय ऋण पुष्टि पत्र सुविधा करार में निर्यातक या निर्यातक के बैंक अथवा क्षतिपूर्तिकर्ता पक्ष या आयातक के बैंक से अनुरोध प्राप्त होने पर ऋण पत्रों की पुष्टि की परिकल्पना की गई है ।

ब्रिक्स नेताओं ने अपने वित्त मंत्रियों को संयुक्त कार्यकारी दल के गठन के जरिए वैश्विक संवृद्धि एवं विकास हेतु बहुपक्षीय एवं क्षेत्रीय वित्तीय संस्थानों के मौजूदा प्रयासों को बल प्रदान करने के लिए ब्रिक्स तथा अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों में अवसंरचना तथा सम्पोषणीय विकास परियोजनाओं हेतु संसाधनों के उपयोग के लिए एक नए विकास बैंक की स्थापना की संभाव्यता एवं व्यवहार्यता की जाँच करने और अगले शिखर सम्मेलन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ।

(ग) और (घ) : अंतर - ब्रिक्स व्यापार में वर्ष 2001 में 55 बिलियन अम.डा. से 2010 में 569 बिलियन अम.डा. तक दस गुणा से अधिक वृद्धि हुई है । इसके अतिरिक्त विश्व को कुल ब्रिक्स निर्यातों के हिस्से के रूप में अंतर-ब्रिक्स निर्यात वर्ष 2001 में 4.3% की तुलना में दुगुना हो कर 2010 में 8.6%हो गया है, जबकि समूह के वैश्विक आयातों में अंतर - ब्रिक्स आयात का हिस्सा 2001 में 8.1% की तुलना में 2010 में 15.9% हो गया है । भविष्य में व्यापार संवृद्धि की प्रवृति का अनुमान लगाना कठिन है, तथापि पिछले व्यापार निष्पादन और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग में हुई वृद्धि को देखते हुए व्यापार में वृद्धि होने की पूरी संभावना है । चूँकि इन करारों पर 29 मार्च, 2012 को ही हस्ताक्षर किए गए हैं, अतः इन करारों के संबंध में आयातकों - निर्यातकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करना अभी संभव नहीं है ।

.....